


सारीख
हुनम

हुनम वा कार्यवाही मय इनिशियरउ जज

नम्बर व ता
बहुनाम व
हुनम को वा
जारा हु

२२/२/१८

मै डाकना पुर
२।२ रि।म
नही चलना
पोहना
सन्तम।म


आज पागली को लकील पापी डूल् (पकी)
को अल्पदाय लकील काज मोटे डूल् लकील
की जातुकी इ ली रिपिक पद लकील गी
आजिक नदि रही डूली इलएट डूल् कए वकी ल डूली
की नोटेपुन फले व नोटे डूल् लकील की
जालेई एवं पुन लकील (आज) को डूल् विरत
किने कलेई / के ल डूल् (आज) के ल
हां आउ लकील ल लानंदाप रहे हु लकील

रपखण्डधिकारी
मुण्डावर (म. वर) राज०